MATS

एम.ए. (अनुवाद अध्ययन)/M.A. (Translation Studies)

(एम.ए.टी.एस./MATS)

(ओडीएल, ऑनलाइन और ई–विद्याभारती के लिए)

(For ODL, Online and E-vidyabharti)

सत्रीय कार्य (प्रथम वर्ष)

Assignment (First Year)

2025

जनवरी 2025 और जुलाई 2025 सत्रों में
प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए

For students taking admission in
January 2025 and July 2025 sessions

अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068
School of Translation Studies and Training
Indira Gandhi National Open University
Maidan Garhi, New Delhi-110068

एम.ए (अनुवाद अध्ययन)

एम.टी.टी. 010–019

सत्रीय कार्य 2025

(जनवरी 2025 और जुलाई 2025 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

कार्यक्रम कोड : एम.ए.टी.एस.

प्रिय विद्यार्थियो,

जैसा कि एम.ए. (अनुवाद अध्ययन) (ऑनलाइन) में कार्यक्रम की 'कार्यक्रम दर्शिका' में आपको बताया गया है, एम.ए. (अनुवाद अध्ययन) (ऑनलाइन) कार्यक्रम में अध्ययन के साथ–साथ आपको कुछ सत्रीय कार्य भी करने हैं। आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम से संबंधित एक सत्रीय कार्य करना है। इस अध्ययन कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में आपको कुल 8 पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य करने हैं। ये सत्रीय कार्य आपकी आंतरिक परीक्षा है तथा इनमें न्यूनतम निर्धारित अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। अतः इन्हें ध्यानपूर्वक और पूरे परिश्रम के साथ संपन्न करें। प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्यों का विभाजन इस प्रकार है :

कार्यक्रम	**अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि**	
	जनवरी 2025 में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए	**जुलाई 2025 में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए**
एम.टी.टी. 010 अनुवाद सिद्धांत	30.9.2025	31.3.2026
एम.टी.टी. 011 अनुवाद : इतिहास एवं परंपरा	30.9.2025	31.3.2026
एम.टी.टी. 012 अनुवाद और भाषाविज्ञान	30.9.2025	31.3.2026
एम.टी.टी. 013 अनुवाद के क्षेत्र	30.9.2025	31.3.2026
एम.टी.टी. 014 अनुवाद एवं भारतीय भाषाएँ	30.9.2025	31.3.2026
एम.टी.टी. 015 अनुवाद और साहित्य	30.9.2025	31.3.2026
एम.टी.टी. 016 अनुवाद और जनसंचार	30.9.2025	31.3.2026
एम.टी.टी. 017 कोशविज्ञान, पारिभाषिक शब्दावली और अनुवाद	30.9.2025	31.3.2026
एम.टी.टी. 018 अनुवाद और अंतर्सांस्कृतिक अध्ययन	30.9.2025	31.3.2026
एम.टी.टी. 019 अनुवाद की राजनीति	30.9.2025	31.3.2026

नोट : अंतिम तिथि के उपरांत सत्रीय कार्य स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

उद्देश्य : एम.ए. (अनुवाद अध्ययन) कार्यक्रम के अंतर्गत अनुवाद सिद्धांत, परंपरा, भाषाविज्ञान, अनुवाद के क्षेत्र, मीडिया एवं साहित्य, भारतीय भाषाएँ, अंतर्सांस्कृतिक संप्रेषण तथा कोशविज्ञान एवं पारिभाषिक शब्दावली और अनुवाद के संबंध पर विचार करते हुए उसके प्रक्रियापरक पहलुओं पर चर्चा की गई है। सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य–सामग्री को कितना समझा है और आप उसे कहाँ तक व्यवहार में ला सकते हैं। यानी आपको इस योग्य बनाना है कि अध्ययन के दौरान आपको जो जानकारी प्राप्त हुई है उसे अपने भाब्दों में आप विधिवत प्रस्तुत कर सकें और अनुवाद को एक अध्ययन विशय के रूप में भली प्रकार से समझ सकें।

सत्रीय कार्य करते समय ध्यान रखने योग्य कुछ महत्वपूर्ण बातें

- उत्तर के लिए फुलस्केप कागज का ही इस्तेमाल करें।
- प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए अलग उत्तर–पुस्तिका बनाएँ। इस तरह आपके आठ सत्रीय कार्यों के लिए आठ उत्तर–पुस्तिकाएँ होंगी; और
- अपनी उत्तर–पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के दाहिने कोने के सबसे ऊपर नीचे दिए गए प्रारूप के अनुसार अपनी नामांकन संख्या, पूरा पता लिखें तथा तिथि सहित हस्ताक्षर करें। नामांकन संख्या की पुष्टि अपने परिचय–पत्र तथा पाठ्य–सामग्री पर दिए गए पते से भी कर लें।
- अपनी उत्तर–पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के बाएँ कोने पर कार्यक्रम का शीर्षक, पाठ्यक्रम का कोड, उसका शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड तथा अध्ययन केंद्र का नाम लिखें।

आपका सत्रीय कार्य इस प्रकार आरंभ होना चाहिए :

कार्यक्रम का शीर्षक : ..... नामांकन संख्या : .....

नाम : .....

पता : .....

.....

.....

.....

दूरभाष / मोबाइल : .....

पाठ्यक्रम कोड : .....

पाठ्यक्रम का शीर्षक : .....

सत्रीय कार्य कोड : ..... हस्ताक्षर : .....

अध्ययन केंद्र का नाम : ..... तिथि : .....

- पाठ्यक्रम कोड तथा सत्रीय कार्य के कोड सत्रीय कार्य पर मुद्रित होते हैं और वहाँ से देखकर लिखे जा सकते हैं। प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
- अपने उत्तर केवल फुलस्केप कागज पर लिखें और उन्हें अच्छी तरह नत्थी कर दें। बहुत पतले कागज पर न लिखें। कागज की बायीं ओर पर्याप्त हाशिया छोड़ते हुए एक तथा दूसरे उत्तर के बीच कम से कम 4 पंक्तियों का स्थान छोड़ें।

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में आपसे तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। लंबे निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में, और लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों तथा टिप्पणीपरक प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में देने हैं।

- प्रत्येक सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़ें और उसमें यदि कोई विशेष निर्देश दिए गए हों तो उनका पालन करें। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं उन्हें भी ठीक से पढ़कर संदर्भों से मिला लें। प्रश्न के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी का संकलन कर उसे व्यवस्थित करके अपने उत्तर की रूपरेखा बनाएँ। तत्पश्चात् संगत जानकारी पर आधारित अपने उत्तर स्पष्ट रूप से लिखें।
- सैद्धांतिक प्रश्नों को पहले भली–भाँति समझ लें तत्पश्चात् विभिन्न संकल्पनाओं का भी अध्ययन करें और उत्तर का खाका तैयार करें। इन प्रश्नों का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष के संबंध में विशेष ध्यान दें। प्रस्तावना संक्षिप्त एवं यह स्पष्ट करने वाली होनी चाहिए कि इस प्रश्न से आप क्या समझते हैं और आप क्या लिखने जा रहे हैं। निष्कर्ष में उत्तर का सार एवं मुख्य बिंदुओं पर जोर होना चाहिए। आवश्यक हो तो विश्वविद्यालय द्वारा दी गई अध्ययन सामग्री के अलावा विषय से संबंधित अन्य पुस्तकों, संदर्भों आदि का भी अध्ययन करें। आपके उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों से संबद्ध हों तथा उसमें निहित सभी मुख्य बातें शामिल हों।

सत्रीय कार्य समापन से पूर्व इन बिंदुओं पर भी ध्यान दीजिए :

(क) आपके उत्तर आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति प्रश्न के पूर्णतया अनुकूल हो।

(ख) आपके उत्तर अनावश्यक रूप से विस्तारित या संक्षिप्त न हों।

(ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से वर्तनी और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

(घ) आपके उत्तर हस्तलिखित होने चाहिए। आपके उत्तर विश्वविद्यालय द्वारा आपके पास भेजी गई इकाइयों की नकल न हों। यदि आप ऐसा करते हैं तो कम अंक मिलेंगे।

(ङ) अन्य विद्यार्थियों के उत्तरों से नकल न करें। यदि यह पाया जाता है कि आपने नकल की है तो आपके सत्रीय कार्यों को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(च) प्रत्येक सत्रीय कार्य को अलग–अलग लिखें। प्रत्येक उत्तर के साथ उसकी प्रश्न संख्या भी अवश्य लिखें।

(छ) **सत्रीय कार्य को पूरा करके इसे मूल्यांकन हेतु अपने अध्ययन केंद्र अर्थात अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ, ब्लॉक–15सी, इग्नू, मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068 को ही प्रेषित करें।**

(ज) सत्रीय कार्य को जमा कराते समय निर्धारित प्रेषण एवं पावती कार्ड पर अध्ययन केंद्र से प्राप्ति दर्ज करा लें ताकि उसे आप परीक्षा फॉर्म के साथ संलग्न कर सकें अथवा अपने रिकॉर्ड में रख सकें।

(झ) यदि आपने क्षेत्र/अध्ययन केंद्र को बदलने के संबंध में निवेदन किया है तो भी आप अपने सत्रीय कार्यों को अपने पहले के अध्ययन केंद्र में ही तब तक भेजते रहें जब तक कि विश्वविद्यालय की ओर से आपको क्षेत्रीय केंद्र बदलने और नए अध्ययन केंद्र की सूचना नहीं भेज दी जाती।

MA (Translation Studies) (MATS)
MTT 010-019

Assignment 2025
(For students taking admission in January 2025 and July 2025)

Programme Code: MATS

Dear students,

As you have been told in the program guide, for M.A. (Translation Studies) program you have to do some assignments along with your studies. You have to do one assignment related to each course. In the first year of this study program you have to do assignments for a total of 8 courses. These assignments are your internal assessment examination and it is mandatory to get minimum prescribed marks in them. So do them carefully with full hard work. The distribution of assignments in each course is as follows:

Programme	**Last date of submission**	
	For students getting admission in January 2025	**For students getting admission in July 2025**
MTT-010 Translation Theory	30.09.2025	31.03.2026
MTT-011 Translation History and Tradition	30.09.2025	31.03.2026
M.T.T. 012 Translation and Linguistics	30.09.2025	31.03.2026
MT T. 013 Areas of Translation	30.09.2025	31.03.2026
M.T.T. 014 Translation and Indian Languages	30.09.2025	31.03.2026
MT T. 015 Translation and Literature	30.09.2025	31.03.2026
M.T.T. 016 Translation and Mass Communication	30.09.2025	31.03.2026
M.T.T. 017 Lexicography, Terminology and Translation	30.09.2025	31.03.2026
MTT-018 : Translation and Intercultural Studies	30.09.2025	31.03.2026
MTT-019 : Politics of Translation	30.09.2025	31.03.2026

Note: Assignments will not be accepted after the last date.

Objective: M.A. (Translation Studies) Programme deals with Translation Theory, Tradition, Linguistics, Areas of Translation, Media and Literature, Indian Languages, Intercultural Communication and Lexicology and Terminology and considering its relation to translation, its procedural aspects have been discussed in contents of the programme. The main objective of the assignments is to test how far you have understood the course material and to what extent you can apply it. That is, to enable you to present properly the knowledge that you have received during the course of study in your own words and understand translation as a subject.

Some important points to be keep in mind while doing assignments

- Use only foolscap paper for answers.
- Make a separate answer sheet for each assignment. (eight assignments)
- There will be eight answer sheets, and at the top right corner of the first page of your answer sheet as per the format given below
- Write your enrollment number, full address and sign with date. Write your enrollment number.
- Do the same from the address given on the identity card and study material.
- Write the Title of the Programme, Code of the Course, its Title, Assignment Code and Name of the Study Center on the left hand corner of the first page of your answer sheet.

Your assignment should start like this:

Programme Title: …… Enrollment No. ……..

Name:……..

Adress:……
……..
……..
……...

Telephone/Mobile No.:……

Course Code : ……..

Course title:……..

Assignment Code: ……... Signature:……

Study Centre Name…… Date:……

- The course code and assignment codes are printed on the assignment and can be written from there. Be sure to write the question number before each answer.

- Write your answers on foolscap paper only and staple them tightly. Do not write on very thin paper. Leave a space of at least 4 lines between one answer and the other, leaving sufficient margin on the left side of the paper.

Important instructions for assignments

In these assignments you have been asked three types of questions. Answer to long essay type questions in about 500 words and Short answer type questions in about 250 words and comment type questions in about 100 words each.

- Read questions of each assignment carefully and follow specific instructions, if any, given there. Also read the units on which the assignment is based and match it with the references. Outline your answer by collecting and organizing important information regarding the question. Then clearly write your answer based on the relevant information.

- First understand the theoretical questions thoroughly, then study the various concepts and prepare an answer plan. While answering these questions, pay special attention to introduction and conclusion. The introduction should be brief and explain what you understand by the question and what you are going to write. The conclusion should summarize the answer and emphasize the main points. If necessary, apart from the study material given by the university, study other books, references etc. related to the subject. Your answers should relate to the questions given in the assignment and cover all the main points contained in it.

Also pay attention to these points before completing the assignment:

(a) Your answer should be fully suited to your expression style and presentation question.

(b) Your answers should not be unnecessarily elaborated or abbreviated.

(c) There should be no linguistic errors in your writing, especially avoid spelling and grammatical mistakes. Your answers must be handwritten.

(d) Do not copy if you do this then you will get less marks.

(e) Do not copy from other students' answers. If it is found that you have copied, your assignments will be rejected.

(f) Be sure to write the question number of each assignment with each answer written separately.

(g) After completing the assignment, send it to your Study Center i.e. **Programme Coordinator (MATS), School of Translation Studies and Training, Block-15C, IGNOU Maidangarhi, New Delhi-110068 for evaluation**.

(h) At the time of submission of assignments, record the receipt from the study center on the prescribed dispatch and acknowledgment card so that you can attach it with the examination form or keep it in your records in case it is sent by post.

(i) Even if you have requested to change the Region/Study Centre, you should continue to send your assignments to your earlier Study Center only until the University gives you permission to change the Regional Center and the new Study Centre. It applicable.

एम.टी.टी.–017 : कोशविज्ञान, पारिभाषिक शब्दावली और अनुवाद
(MTT-017: Lexicography, Technical Terminology and Translation)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (Assignment)
(टी.एम.ए./TMA)

कार्यक्रम कोड / Programme Code : एम.ए.टी.एस. / MATS
पाठ्यक्रम कोड / Course Code : एम.टी.टी.–017 / MTT-017
सत्रीय कार्य कोड /Assignment Code: ए.एस.एस.टी. / टी.एम.ए. / 2025/ASST/TMA/2025

अंक / MM: 50

नोट : भाग–I और II में शामिल सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Note: Attempt all the questions of part I & part II

भाग– I/Part-I

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।
Answer the following questions in about 500 words each.

1. कोश से क्या अभिप्राय है? शब्दकोश निर्माण की प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की चर्चा कीजिए। 10
   What is meant by Dictionary? Discuss different stages of dictionary-making process.

2. पारिभाषिक शब्दावली से आप क्या समझते हैं? पारिभाषिक शब्दावली के विभिन्न अभिलक्षणों का सोदाहरण वर्णन कीजिए। 10
   What do you understand by Technical Terminology? Describe different characteristics of Technical Terminology with suitable examples.

भाग– II/Part-II

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।
Answer the following questions in about 250 words each.

3. 'हिंदी में कोश निर्माण परंपरा' पर निबंध लिखिए। 6
   Write an essay on 'Tradition of Dictionary-making in Hindi'.

4. अनुवाद में कोशों के महत्व और सीमाओं की चर्चा कीजिए। 6
   Discuss the importance and limitations of dictionaries in translation.

5. शब्द–शक्ति क्या है? अनुवाद में शब्द–शक्तियों की भूमिका पर प्रकाश डालिए। 6
   What is word-powers (*Shabd Shakti*)? Illuminate role of word-powers in translation.

6. पारिभाषिक शब्दावली संबंधी विभिन्न विचारधाओं को स्पष्ट कीजिए। 6
   Elucidate different Schools (Approaches) of Technical Terminology.

7. **निम्नलिखित विषयों पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :** 2×3= 6
   Write short notes on the following topics in about 100 words each.

   (क) ज्ञान प्रतिरूपण और कंप्यूटर में उसका उपयोग
   Knowledge Representation and its use in computer

   (ख) अनुवाद में पारिभाषिक शब्दावली की आवश्यकता
   Need of Technical Terminology in Translation